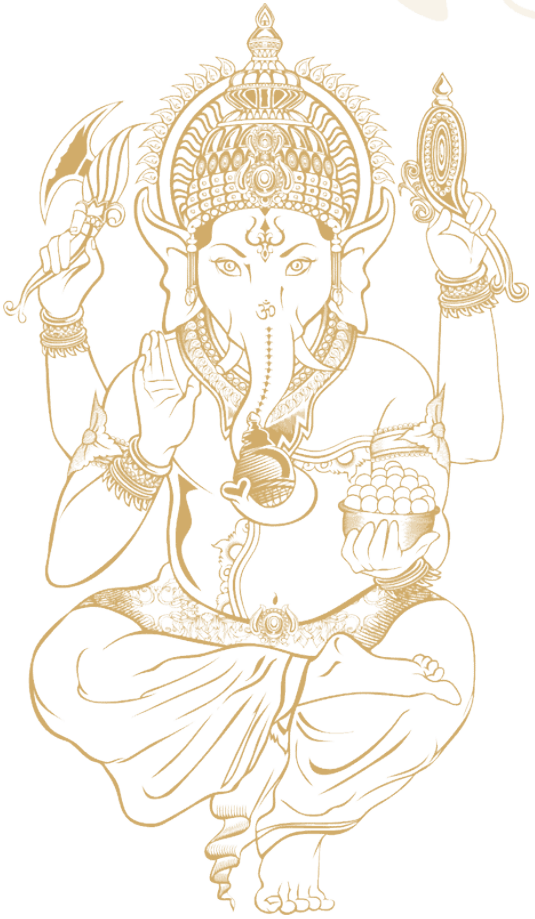

Divya Singh

06 Sep 1996

11:20 AM

Kichcha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121251103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/09/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:20:00 घंटे**
इष्ट	13:38:56 घटी
स्थान	**Kichcha**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	79:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:08:00 घंटे
वेलान्तर	00:01:40 घंटे
साम्पातिक काल	10:10:25 घंटे
सूर्योदय	05:52:25 घंटे
सूर्यास्त	18:27:39 घंटे
दिनमान	12:35:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	20:06:06 सिंह
लग्न के अंश	00:19:42 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-कीर्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:19:42	306:22:02	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	20:06:06	00:58:13	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	स्वराशि
चंद्र			मिथु	06:21:40	12:03:26	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	03:55:41	00:37:53	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	09:28:23	00:12:23	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु			धनु	14:01:09	00:00:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	05:09:29	01:03:36	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	11:41:56	00:04:10	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:28:55	00:02:04	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:28:55	00:02:04	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:17:06	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:24:34	00:00:56	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:43:17	00:00:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			सिंह	06:43:40	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:42

लग्न-चलित

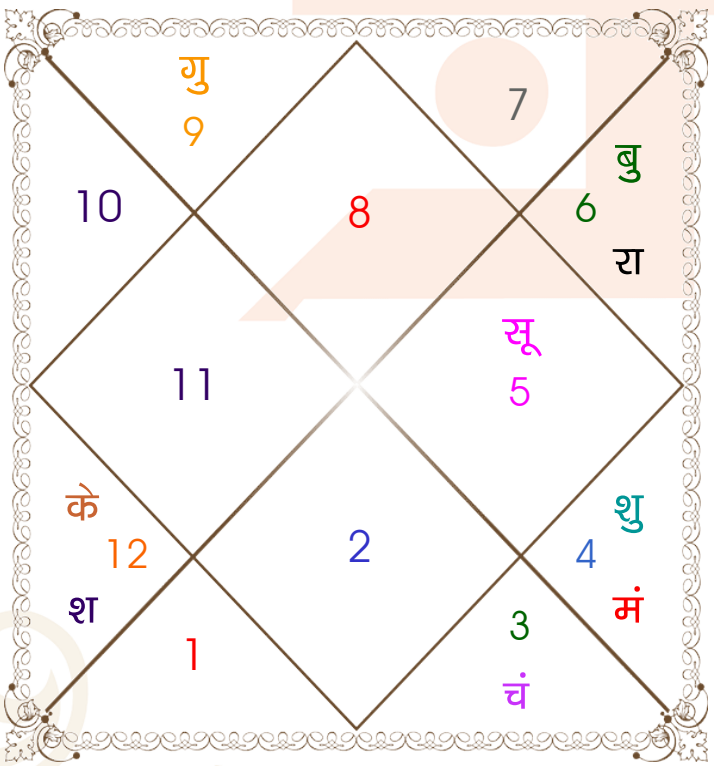

चन्द्र कुंडली

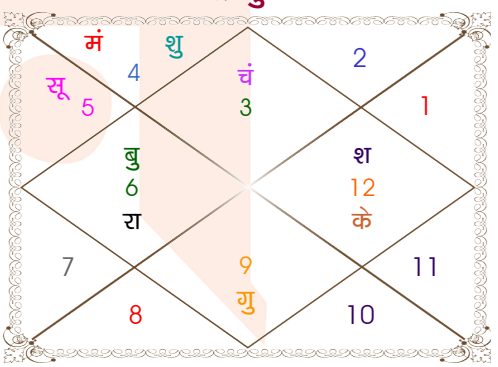

नवमांश कुंडली

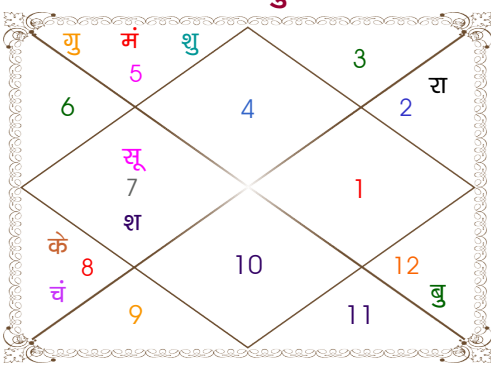

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 1 मास 28 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/09/1996		04/11/1996		04/11/2014		04/11/2030		04/11/2049	
04/11/1996		04/11/2014		04/11/2030		04/11/2049		04/11/2066	
	00/00/0000	राहु	18/07/1999	गुरु	22/12/2016	शनि	07/11/2033	बुध	01/04/2052
	00/00/0000	गुरु	10/12/2001	शनि	06/07/2019	बुध	17/07/2036	केतु	30/03/2053
	00/00/0000	शनि	16/10/2004	बुध	10/10/2021	केतु	26/08/2037	शुक्र	29/01/2056
	00/00/0000	बुध	06/05/2007	केतु	16/09/2022	शुक्र	25/10/2040	सूर्य	04/12/2056
	00/00/0000	केतु	23/05/2008	शुक्र	17/05/2025	सूर्य	07/10/2041	चंद्र	05/05/2058
	00/00/0000	शुक्र	24/05/2011	सूर्य	06/03/2026	चंद्र	09/05/2043	मंगल	03/05/2059
	00/00/0000	सूर्य	17/04/2012	चंद्र	06/07/2027	मंगल	17/06/2044	राहु	19/11/2061
	06/09/1996	चंद्र	17/10/2013	मंगल	10/06/2028	राहु	24/04/2047	गुरु	25/02/2064
चंद्र	04/11/1996	मंगल	04/11/2014	राहु	04/11/2030	गुरु	04/11/2049	शनि	04/11/2066

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
04/11/2066		04/11/2073		04/11/2093		04/11/2099		05/11/2109	
04/11/2073		04/11/2093		04/11/2099		05/11/2109		07/09/2116	
केतु	02/04/2067	शुक्र	05/03/2077	सूर्य	21/02/2094	चंद्र	05/09/2100	मंगल	03/04/2110
शुक्र	01/06/2068	सूर्य	06/03/2078	चंद्र	23/08/2094	मंगल	06/04/2101	राहु	21/04/2111
सूर्य	07/10/2068	चंद्र	04/11/2079	मंगल	29/12/2094	राहु	06/10/2102	गुरु	27/03/2112
चंद्र	08/05/2069	मंगल	03/01/2081	राहु	23/11/2095	गुरु	05/02/2104	शनि	06/05/2113
मंगल	04/10/2069	राहु	04/01/2084	गुरु	10/09/2096	शनि	05/09/2105	बुध	03/05/2114
राहु	23/10/2070	गुरु	04/09/2086	शनि	23/08/2097	बुध	04/02/2107	केतु	30/09/2114
गुरु	29/09/2071	शनि	04/11/2089	बुध	29/06/2098	केतु	05/09/2107	शुक्र	30/11/2115
शनि	07/11/2072	बुध	04/09/2092	केतु	04/11/2098	शुक्र	06/05/2109	सूर्य	06/04/2116
बुध	04/11/2073	केतु	04/11/2093	शुक्र	04/11/2099	सूर्य	05/11/2109	चंद्र	07/09/2116

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 1 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।